समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

एयर इंडिया प्लेन क्रैश : 1000°C तापमान तक पिघल गया विमान, 265 शव बरामद, कोई नहीं बचा ज़िंदा।

Publisher

Published on 13 Jun 2025

हादसे की भयावहता ने सबको झकझोर दिया।

अहमदाबाद : गुरुवार को लंदन जा रहा **एयर इंडिया का विमान (AI-171)** अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एक रेजिडेंशियल इलाके में क्रैश हो गया। इस भयानक हादसे में विमान में सवार सभी **242 यात्रियों** और **क्रू मेबंर्स की मौत** हो गई। इसके अलावा, आसपास के इलाके के कई स्थानीय नागरिक भी इसकी चपेट में आ गए।

तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा

अधिकारियों ने बताया कि विमान गिरने के तुरंत बाद फ्यूल टैंक फट गया और आग लग गई। इससे **तापमान 1000°C** तक पहुंच गया, जिससे **रेस्क्यू ऑपरेशन** बेहद मुश्किल हो गया। **SDRF** और **फायर ब्रिगेड की टीम PPE किट्स** के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कोई बचाया नहीं जा सका।

फायर डिपार्टमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया: "विमान के फ्यूल टैंक में करीब 1.25 लाख लीटर ईंधन था। ब्लास्ट इतना भीषण था कि कुछ ही सेकंड में चारों तरफ आग और धुएं का गुबार फैल गया।"

लोकल्स ने की शुरुआती मदद, SDRF को नहीं मिला कोई ज़िंदा

SDRF अधिकारियों ने बताया कि वे **दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे** के बीच मौके पर पहुंचे। उससे पहले कुछ स्थानीय लोगों ने प्रयास कर कुछ घायलों को बाहर निकाला, लेकिन जब **SDRF** की टीम पहुंची, तब तक कोई भी जीवित नहीं बचा था।

पुलिस ने बताया कि अब तक **265 शवों को सिविल हॉस्पिटल** लाया गया है, लेकिन मृतकों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि

अभी बाकी है।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी थे विमान मे

हादसे में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। विमान में गुजरात के **पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी** भी सवार थे, जो अपने परिवार से मिलने लंदन जा रहे थे। उनकी मौत की भी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन उनका नाम यात्री सूची में दर्ज है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.